प्राक्शास्त्री एवं शास्त्री कक्षा में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम

प्रवेश

- विज्ञापन परिसर/आदर्श महाविद्यालयों द्वारा स्थानीय समाचारपत्रों में दिया जाए।
- प्रवेश परीक्षा आवेदन शुल्क- प्राक्शास्त्री/शास्त्री ₹50/-।

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष हेतु अर्हता

- प्राक्शास्त्री प्रवेश परीक्षा में छात्र 10वी/पूर्वमध्यमा या समकक्ष कक्षा किसी भी राज्य सरकार अथवा विधि द्वारा स्थापित बोर्ड/संस्था से मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
- छात्र को देवनागरी लिपि का ज्ञान होना आवश्यक है।
- प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।

शास्त्री प्रथम वर्ष हेतु अर्हता-

- शास्त्री प्रवेश परीक्षा में छात्र 12वी/उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री कक्षा किसी भी राज्य सरकार अथवा विधि द्वारा स्थापित बोर्ड/संस्था से मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
- छात्र को देवनागरी लिपि का ज्ञान होना आवश्यक है।
- प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष की प्रवेश परीक्षा के लिए सामान्य छात्रों के लिए पाठ्यक्रम-

- ✓ मात्रा/वर्णाक्षर/अनुनासिक/अनुस्वार/विसर्ग/रेफ/संयुक्ताक्षर/शब्द/वर्तमान/भूत/भविष्य/कर्तृवाच्य/कर्मवाच्य/ संख्या/सर्वनाम/श्लोकांशपूर्ति/संस्कृत ग्रन्थकार/ग्रन्थों के नाम/संस्कृतसंस्था/शुद्ध वाक्य विचार/अव्यय/उपसर्ग

शास्त्री प्रथम वर्ष की प्रवेश परीक्षा के लिए परम्परागत छात्रों के लिए पाठ्यक्रम

- ✓ सन्धि/समास/लिंग/कारक/विभक्ति/आत्मनेपद/परस्मैपद/प्रत्यय/तद्धित/कृदन्त
- ✓ प्रसिद्ध श्लोकांशपूर्ति
- ✓ विभिन्न संस्थाओं का ध्येयवाक्य
- ✓ कवि- श्रेष्ठ ग्रन्थकार
- ✓ ग्रन्थ संबंधी
- ✓ धातु/लट्,लोट,लृट्,लिङ्
- ✓ उच्चारण स्थान- दीर्घ, ह्रस्व
- ✓ माहेश्वर सूत्र
- ✓ शुद्ध वाक्य विचार
- ✓ वाच्य परिवर्तन

सामान्य ज्ञान आधुनिक/परम्परागत छात्रों के लिए

- ✓ समसामयिक घटना
- ✓ क्रीड़ा
- ✓ संस्कृत वाङ्मय
- ✓ संस्कृत पुरस्कार
- ✓ राजधानी संबंधी प्रश्न-राष्ट्रिय
- ✓ राजधानी संबंधी प्रश्न-अन्तर्राष्ट्रिय
- ✓ संस्था अध्यक्षों का नाम
- ✓ नागरिक अधिकार संबंधी प्रश्न
- ✓ संयुक्त राष्ट्र संघ संबंधी प्रश्न
- ✓ महापुरूष संबंधी प्रश्न
- ✓ इतिहास संबंधी प्रश्न
- ✓ नदी,पर्वत संबंधी प्रश्न

अभिरूचि आधुनिक/परम्परागत छात्रों के लिए

- ✓ भाषा अभिरूचि परीक्षण
- ✓ संस्कृत संबंधी अभिरूचि परीक्षण
- ✓ संस्कृत की उपयोगिता
- ✓ संस्कृत की विशेषता
- ✓ शास्त्र संरक्षण के उपाय
- ✓ शास्त्र अभिरूचि का मूल्यांकन
- ✓ भारत में संस्कृत की योजनायें
- ✓ संस्कृत आयोग संबंधी प्रश्न
- ✓ सूचना प्रोद्योगिकी और संस्कृत
- ✓ संस्कृत अध्ययन अभिरूचि
- ✓ संस्कृत पत्र-पत्रिका संबंधी
- ✓ संस्कृत मनीषी संबंधी प्रश्न

✓ संस्कृत अध्ययन-अध्यापन के उद्देश्य

विशेषः- (1) परम्परागत धारा के अन्तर्गत- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा/प्राकृशास्त्री तथा अन्य मान्यता प्राप्त परम्परागत गुरूकुल/महाविद्यालयों द्वारा जारी प्रमाणपत्र जो पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा/प्राकृशास्त्री के समकक्ष हो।

आधुनिक धारा के अन्तर्गत-10वीं अथवा 12वीं

(2) परम्परागत धारा से 80 प्रतिशत प्रवेश

(3) आधुनिक धारा से 20 प्रतिशत

(4) प्रवेश परीक्षा के लिए सामान्य पाठ्यक्रम दोनो कक्षाओं के लिए समान होंगे किन्तु प्रश्नपत्र अलग-अलग स्तर के अनुसार होगें।

(5) प्रवेश में आरक्षण नीति भारत सरकार के नियमों के अनुसार लागू की जायेगी।

(6) कक्षाएँ प्रवेश के साथ प्रारम्भ होंगी।